सीएसआईआर–केन्द्रीय औषधीय एवं सगंध पौधा संस्थान (सीएसआईआर–सीमैप)
CSIR-Central Institute of Medicinal & Aromatic Plants (CSIR-CIMAP)
(वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान परिषद)
(Council of Scientific & Industrial Research)
पो.ऑ.–सीमैप, लखनऊ–226015
PO-CIMAP, Lucknow-226 015

CSIR-CIMAP
डा. संजय कुमार
प्रधान वैज्ञानिक
प्रौद्योगिकी एवं व्यापार विकास
फोन नं. 0522–2718598

पत्रांकः सीमैप/टीबीडी/सिड्बी प्रशि./01/2021–22 दिनांकः 15/02/2021

प्रिय महोदय/महोदया,

आपको जानकर अपार हर्ष होगा कि विगत वर्षों की भांति यह संस्थान "आर्थिक रूप से महत्वपूर्ण औषधीय एवं सगंध पौधों की उन्नत प्रौद्योगिकी" विषय पर भारतीय लघु उद्योग विकास बैंक के सहयोग से दिनांक **12–14 अप्रैल, 2021** के मध्य **सीएसआईआर–सीमैप, लखनऊ** में एक प्रशिक्षण–सह–प्रदर्शन कार्यक्रम आयोजित कर रहा है। इस कार्यक्रम में मुख्य रूप से मेंथा की विभिन्न प्रजातियां, सगंध घासें, खस, जिरेनियम, चैती गुलाब एवं अश्वगंधा, सतावर, घृतकुमारी इत्यादि फसलों की कृषि प्रौद्योगिकियों एवं आसवन विधियों की विस्तृत जानकारी दी जायेगी। इस कार्यक्रम में व्याख्यान के साथ ही साथ उनके रोपण विधियों पर प्रदर्शन भी किया जायेगा। प्रशिक्षण कार्यक्रम में औषधीय एवं सगंध पौधों की गुणवत्ता की जांच तथा उनके बाजार की भी जानकारी उपलब्ध करायी जायेगी। इस कार्यक्रम में कोई भी कृषक, प्रसार कार्यकर्ता, एवं अन्य जो भी इन विषयों की जानकारी प्राप्त करने का इच्छुक हो, भाग ले सकते हैं। भाग लेने हेतु **रूपये 3000/– (रूपये तीन हजार मात्र)** का शुल्क Director, CIMAP, Lucknow के भारतीय स्टेट बैंक, लखनऊ की मुख्य शाखा में खाता सं. **30267691783**, IFSC कोड SBIN0000125, MICR Code 226002002 में दिनांक **05 अप्रैल, 2021** तक भेजकर अपना पंजीकरण सुनिश्चित करा सकते हैं, तथा इसका विस्तृत प्रमाण, आवेदन पत्र एवं एक पहचान पत्र के साथ training@cimap.res.in पर भेजा जा सकता है। इस शुल्क में पंजीकरण सामग्री एवं दोपहर का शाकाहारी भोजन शामिल है। **प्रतिभागी को अपने रहने की व्यवस्था स्वयं करनी होगी।** पंजीकरण प्रथम आगत–प्रथम स्वागत के आधार पर किया जायेगा। अधिक जानकारी के लिए 0522–2718598, 694, 596, 599, 605, 606, 637 पर सम्पर्क कर सकते हैं।

नोटः सीटों की संख्या सीमित है। प्रतिभागियों की संख्या के आधार पर पंजीकरण अन्तिम तिथि से पहले भी बन्द किये जा सकते हैं।

धन्यवाद।

भवदीय,
संजय कुमार 17.2.21
(संजय कुमार)